देशबन्धु

असर शराब कंपनियों की प्रतिनिधि संस्था ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कोरोना टैक्स की वजह से शराब की बिक्री हुई कम

नई दिल्ली, 3 जून (देशबन्धु)। शराब कंपनियों की प्रतिनिधि संस्था कंफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज, सीआईएबीसी, ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर शराब पर से कोरोना टैक्स हटाने की मांग की है। संस्था ने अपने पत्र में कहा है कि उन्होंने पहले ही या आशंका जताई थी कि शराब पर 70 फीसदी कोरोना टैक्स की वजह से आने वाले समय में इसकी बिक्री कम हो सकती है। हमारा सरकार से अनुरोध है कि इस टैक्स को एक ऐसे स्तर पर रखा जाए जो संतुलित हो। जिससे शराब के खरीदार को भी आर्थिक बोझ ना पड़े।

- संस्था ने शराब पर से कोरोना टैक्स हटाने की मांग की
- सरकार ने शराब पर लगाया है 70 फीसदी कोरोना टैक्स

अगर खरीदार पर ज्यादा बोझ पड़ता है तो आने वाले समय में इसका असर कम टैक्स के रूप में सरकार पर भी पड़ेगा। जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति पर भी विपरीत असर होगा। सीआईएबीसी के डायरेक्टर विनोद गिरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में कहा है कि उन्होंने 6 मई को उपमुख्यमंत्री तथा दिल्ली के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया को एक प्रतिवेदन दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर लंबे समय तक शराब पर 70फीसदी का कोरोना टैक्स रखा गया तो इससे शराब की बिक्री पर प्रतिकूल असर होगा। जिससे शराब की बिक्री कम होगी और

राजस्व की भी हानि होगी। अपने पत्र में विनोद गिरी ने लिखा है कि उनकी आशंका सही साबित हुई है। मई के महीने में शराब की बिक्री पिछले वर्ष मई के महीने में ही हुई बिक्री की तुलना में काफी कम है। यह सही है कि लंबे समय तक शराब की दुकान बंद रहने की वजह से शुरू में इसकी बिक्री में उछाल देखा गया था। लेकिन उसके बाद बिक्री बेहद निचले स्तर पर आ गई है। आपके संज्ञान के लिए एक विस्तृत विवरण साथ में सलंग्न किया गया है। पत्र में सीआईएबीसी ने आगे लिखा है कि वह दिल्ली सरकार से एक बार फिर अनुरोध करते हैं कि शराब पर कोरोना टैक्स को एक संतुलित स्तर पर ही रखा जाए। ऐसा किए जाने से इस इंडस्ट्री से जुड़े सभी लोगों को लाभ होगा। इससे जहां सरकार को लगातार टैक्स मिलता रहेगा तो वही शराब बनाने वाली कंपनियों उनके डिस्ट्रीब्यूटर उनके रिटेल विक्रेता तथा अंत में खरीदार या ग्राहक को भी राहत हासिल होगी।